PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Delhi
Sun, 18 Jun 2017, Page 11
Width: 35.78 cms, Height: 34.66 cms, a3r, Ref: 26.2017-06-18.113

मेट्रो ट्रेन शुरू करने वाला देश का आठवां शहर बना कोच्चि

मोदी ने की कोच्चि मेट्रो की शुरुआत, 23 ट्रांसजेंडर्स, 1000 महिलाओं को दी नौकरी

प्रधानमंत्री ने मेट्रो मैन ई श्रीधरन के साथ ट्रेन में 13 किलोमीटर तक सफर किया

भास्कर न्यूज नेटवर्क | कोच्चि (केरल)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोच्चि मेट्रो का उद्घाटन किया। केरल का कोच्चि मेट्रो ट्रेन की सुविधा शुरू करने वाला देश का आठवां शहर बन गया है। मोदी ने पलारिवट्टम से पथादिपल्लम स्टेशन तक मेट्रो में सफर भी किया। इस मौके पर मेट्रो मैन के नाम से मशहूर ई श्रीधरन भी मोदी के साथ मौजूद रहे। कोच्चि मेट्रो में 23 ट्रांसजेंडर्स को नौकरी दी गई है। ऐसा करने वाली कोच्चि मेट्रो देश की पहली सरकारी एजेंसी है। साथ ही एक हजार महिलाओं को नौकरी दी गई है। प्रधानमंत्री ने इस पहल की सराहना की। कोच्चि मेट्रो के पहले चरण में पलारिवत्तम से पथादिप्पलम के बीच 13 किलोमीटर लंबा ट्रैक शुरू किया गया है। इसका नियमित संचालन 19 जून से शुरू होगा। यह प्रोजेक्ट कुल 26 किलोमीटर का होगा। बाकी काम दूसरे चरण में पूरा होगा। इस प्रोजेक्ट की लागत करीब 5,181 करोड़ रुपए है। कोच्चि से पहले दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, जयपुर, बेंगलुरू और लखनऊ में भी मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है।

मोदी के साथ मेट्रो में केरल के गवर्नर, पी. सदाशिवम, सीएम पी. विजयन, केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडु और ई. श्रीधरन।

पीएम की सलाह

गुलदस्ते की जगह किताबें भेंट करें

पीएम ने लोगों को सलाह दी कि खुशी के मौकों पर गुलदस्ते देने के बजाय किताबें भेंट करें। केरल में रीडिंग मंथ सेलिब्रेशन का उद्घाटन करने के दौरान उन्होंने यह बात कही। मोदी ने कहा कि अध्ययन से बड़ी कोई खुशी नहीं हो सकती है और ज्ञान से बड़ी कोई ताकत नहीं होती।

कोच्चि मेट्रो : देश में ऐसा हुआ पहली बार

1 सबसे जल्दी तैयार, 45 माह में बना 13 किलोमीटर ट्रैक : पहला चरण सबसे कम समय में शुरू हुआ। 13 किलोमीटर लंबे ट्रैक का काम सिर्फ 45 माह में पूरा हुआ। मुंबई में 11 किमी का पहला चरण 75 और चेन्नई में चार किमी का पहला चरण 72 महीने में पूरा हुआ था। जयपुर मेट्रो के पहले चरण में 56, जबकि दिल्ली और बेंगलुरु के पहले फेज में 50-50 महीने लगे थे।

2 एक चौथाई बिजली की जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी होगी : पहला मेट्रो प्रोजेक्ट है, जो बिजली की एक चौथाई जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी करेगा। सौर पैनलों से 2.3 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। 4 मेगावॉट का प्लांट लगाने पर विचार चल रहा है। ऐसा हुआ तो जरूरत का आधा हिस्सा सौर ऊर्जा से मिलेगा।

3 मेट्रो के 4,000 खंभों पर बनेगा वर्टिकल गार्डन : मेट्रो के करीब चार हजार खंभों पर वर्टिकल गार्डन बनाने की भी योजना है। इनमें नगर निगम का रिसाइकिल्ड कचरा इस्तेमाल होगा। यात्रियों को हर स्टेशन पर आने-जाने के लिए मुफ्त साइकिल दी जाएगी, ताकि वह वाहन घर छोड़कर आएं। वाई-फाई भी मुफ्त रहेगा।

4 10 टापुओं की आबादी के लिए शुरू होगी फेरी सर्विस : कोच्चि देश का पहला शहर होगा जहां आसपास के 10 टापुओं की आबादी के लिए फेरी सर्विस चलेगी। इससे यात्री रेल कॉरिडोर तक आ सकेंगे। इस फेरी सर्विस की 2018 के अंत तक शुरू हो सकती है। बजट 819 करोड़ रु. है।

5 80% कर्मचारी महिला, 23 ट्रांसजेंडर भी शामिल : देश की पहली सरकारी एजेंसी है, जिसने पहले चरण में 23 ट्रांसजेंडर्स को भी नौकरी दी है। एक हजार महिला कर्मचारी भी हैं, जो कुछ कर्मचारियों का 80% बनता है।